उत्तर उजाला

नैनीताल, गरुवार 3 नवम्बर, 2011 (कार्तिक शुक्ल अष्टमी संवत् 2068) पृष्ठ 12 डाक पंजी. सं. UA/NTL-26/2009-2011 मूल्य

उत्तराखंड सौर ऊर्जा के प्रयोग में काफी पीछे

सोलर वाटर हीटर के प्रयोग से 60 फीसदी बिजली, ईंधन की बचत संभव : मैथल

नैनीताल। ग्रीनटेक कालेज सोल्यूशन व सोसायटी टू क्रिएट अवेयरनेस टू वाईस लाइफ एण्ड एन्वायरमेंट-स्केल के तत्वावधान में उरेडा के सहयोग से एक होटल में सोलर वाटर हीटर्स के प्रति जनजागरूकता के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में ग्रीनटेक कालेज सोल्यूशन के डायरेक्टर डा. समीर मैथल ने कहा कि सोलर वाटर हीटर का प्रयोग कर हम 60 फीसदी तक बिजली, कोयला व तेल की बचत कर सकते हैं। उन्होंने बताया सोलर वाटर हीटिंग प्रणाली नवीन तकनीक और कारगर है। उन्होंने बताया, विश्व में सोलर सिस्टम का प्रयोग भारत के मुकाबले 60 फीसदी ज्यादा होता है। यूरोप, टर्की, साईप्रस, आस्ट्रेलिया में भी सोलर सिस्टम का बहुतायत में प्रयोग होता है। उन्होंने बताया कि भारत में बंगलूरू में सबसे ज्यादा सौर ऊर्जा का प्रयोग होता है। उसके बाद पूना, नागपुर, राजकोट, मनाली, धर्मशाला आदि क्षेत्रों में भी इस प्रणाली का प्रयोग हो रहा है। उत्तराखण्ड सौर ऊर्जा के प्रयोग में अभी काफी पीछे है। इसका सबसे बड़ा कारण इस प्रणाली के प्रति जागरूकता की कमी होना है। उन्होंने बताया कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, होटलों आदि में इस प्रणाली का उपयोग किया जा सकता है। उरेडा के एसपीओ एलडी शर्मा ने बताया, सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम के स्टॉलेशन के सन्दर्भ में जानकारी प्रदान करने के लिये विभिन्न जनपदों में अधिकारी तैनात किये गये हैं। साथ ही फ्री टेक्निकल सेवा भी मुहैया कराई जा रही है। एमएनआरई के डायरेक्टर डा. आरपी गोस्वामी ने केन्द्र द्वारा हिमालयी राज्यों के लिये सोलर वाटर हीटर सिस्टम के लिए प्रदान की जाने वाली सब्सिडी की जानकारी दी। नाबार्ड के महाप्रबंधक पीके मिश्रा ने सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम के लिये संचालित ऋण योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यशाला को संबोधित करते स्केल संस्था के सचिव अरुण सिन्हा

कार्यशाला में देहरादून के संगीत शर्मा, बंगलूरू के टी अनंत, नई दिल्ली के अनिल आजाद व रिचर्ड सेक्यूरिया, नैनीताल के डा. अजय रावत, राजा साह, विशाल खन्ना, वेद प्रकाश साह, वी चन्दा, गीता पाण्डे, पीएस नेगी, डा. नरेन्द्र सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।